पहचाने मन की अद्भुत शक्ति को

उदाहरण के लिए हम चाहते हैं कि हमारा कल्याण हो जाये, तो उस कल्याण अर्थ अपने घर के एक एक सदस्य के बारे में जो भी हमारी मान्यताएं हैं उसके आधार से हमारे संकल्प कार्य करते हैं। जैसे अगर किसी सदस्य के बारे में आपने मान रखा है कि वह इतने सालों से एक बात के लिए बदलने वाला नहीं है, तो ये बात इतने सालों से आपके अंदर चली आ रही है, हर पल हर क्षण चली है, तो जैसे ही आप उसके बारे में कुछ सोचने की कोशिश करेंगे, वैसे ही सबसे पहले पुराना संकल्प आपके अंदर आयेगा जो आपकी वृत्ति में भरा हुआ है, कि यह तो बदलने वाला नहीं है। तो होगा ये कि संकल्प तो आप करेंगे लेकिन वातावरण में वह पुरानी बात पहले से ही चल रही है तो सबसे पहले वो कार्य करेगी, और संकल्प फलीभूत नहीं होगा। इसलिए सबसे पहले वृत्ति से उन सभी छोटी बड़ी मान्यताओं को बाहर निकालना है, जो हमने इतने सालों से बनाई हुई हैं। अगर उनकी कोई रॉन्ग बात है, तो उसे आप रॉन्ग भले कह सकते हैं, लेकिन आप उसे मन में बिठाते हैं तो वो कुछ दिन में वृत्ति में आ जायेगा, और कोई रॉन्ग बात अपनी वृत्ति में रखते हैं, तो वैसी हमारी दृष्टि और वैसी हमारे संकल्पों की सृष्टि होगी।

इसलिए सबसे पहले वृत्ति में ज़रा भी किचड़ा न हो, तब प्रकृति तक भी आपका सच्चा वायब्रेशन जायेगा और वायुमण्डल भी वैसा बनेगा, इसलिए हर एक की विशेषताओं को देखो और अपनी वृत्ति को सदा शुद्ध रखो, इसके लिए याद रखना है कि हमेशा हमें दुआ देना है दुआ लेना है, कोई भी नेगेटिव बात एक कान से सुनकर दूसरे से निकाल देनी है।

संकल्प शक्ति को बढ़ाने का या उसको सफल करने का सहज साधन है अपनी वृत्ति को बदलना। क्योंकि वृति एक ऐसी शक्ति है जिसका आधार बहुत पहले से हमारे अंदर बना हुआ है और इसका कारण हमारी मान्यताएं रही हैं। जिसकी जैसी मान्यता रही है, उसी आधार से उसकी वैसी वृति बनती चली गई।

आज जिस किसी के भी संकल्प में बल नहीं है, तो इसका कारण है हद की इच्छाएं, और उन इच्छाओं के कारण वातावरण में वैसे ही संकल्प काम कर रहे हैं, और हम आत्माएं भी उन सभी आत्माओं को इन्हीं संकल्पों का बल दे रहे हैं। हम सबसे यही कहते फिरते हैं कि आज देखो दुनिया पतित हो गई है, कोई ठीक नहीं रहा, अब यह छोटे छोटे संकल्प हैं। चलो मान लेते हैं दुनिया ठीक नहीं है, यदि यह बात हम अपनी बुद्धि में रखेंगे तो संकल्प में बल कैसे आयेगा! तो अपने संकल्पों में बल लाने के लिए अपनी सभी छोटी मान्यताओं को तोड़ो। जब यह मान्यताएं टूट जायेंगी, तो जीवन में कोई एक छोटा संकल्प भी एटम बम का काम करेगा, हमारे एक भी संकलप का वायब्रेशन बहुत दूर तक जायेगा। सिर्फ एक चीज़ भर दो अपने अंदर कि सभी बहुत अच्छे हैं, मैं भी बहुत बहुत अच्छा हूँ, इससे वातावरण शुभ भावना, शुभ कामना का हो जायेगा, आत्माएं सुखी व शांत बन जायेंगी। मतलब किसी के दिमाग तक नहीं उनके दिल तक पहुंचो, हर व्यक्ति की बात को पॉज़ीटिव वृत्ति से देखो, सुनो और समझो। सदा अच्छा-अच्छा सोचने से अच्छा हो जाता है। आपकी अच्छी वृत्ति निश्चित रूप से वायुमण्डल को परिवर्तन कर ही देगी, यह प्रकृति का नियम है। अगर क्यों व क्या में जायेंगे तो परितर्वन कभी भी नहीं हो सकता, इसलिए सुनो लेकिन समाओ नहीं। यही जीवन में संकल्पों को सिद्ध करने का सबसे सुंदर तरीका है।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-12(2018-2019)

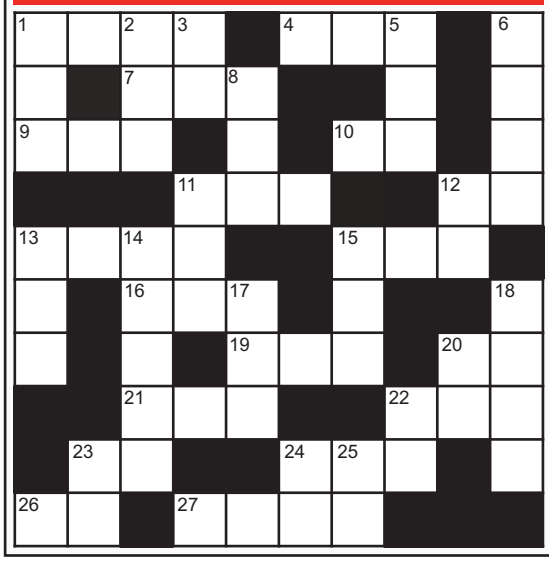

ऊपर से नीचे

1. कभी ... नहीं होना है, नाखुश (3)
2. अमुख, ...ब्रह्म में लीन हुआ (3)
3. निश्चित, मुकर्रर (2)
5. फिकर से...कींदा स्वामी (3)
6. गुमराह होना, बहकना, रास्ता भूलना (4)
8. ....क्लेश मिटाओ, ईर्ष्या (3)
11. जाप करना, रटना (3)
12. आम सारी दुनिया....हम बच्चों के लिए बाप आये हैं (2)
13. ...में भी कभी मुरली मिस नहीं करना (3)
14. ...अर्थात् ज्ञानी व योगी तू आत्मा बनना (2-3)
15. स्वच्छ, साफ, शुद्ध (3)
17. मारना, हत्या करना (3)
18. यह सच्ची-सच्ची गीता....है, विद्यालय (4)
20. सर्दी, ठण्डा (2)
22. .....दर्द मिटाओ, पाप हरो, गम (2)
23. कभी भी....का फूल नहीं बनना है, धतूरा (2)
24. देवता, देव, देवी (2)
25. एक प्रकार का सतयुगी समूह नृत्य, सिरा (2)

बाएं से दाएं

1. न वह हमसे जुदा होंगे न...दिल से निकलेगी, प्यार (4)
4. सौगात, पुरस्कार, इनाम (3)
7. स्वयं को स्वर्ग में ऊंच पद...बनाना है, काबिल (3)
9. श्रृंगार करना, संवारना (3)
11. विष, गरल, हलाहल (3)
12. भोजन, भोज्य पदार्थ (2)
13. ....स्थिति द्वारा ही विकर्म विनाश होते हैं (4)
15. हताश, हतोत्साहित (3)
16. तेरी....में हमें पलना, आंचल, शरण (3)
19. पांच पाण्डव में से एक (3)
21. ब्रह्मा बाप को फॉलो कर बाप.....बनना है, जैसा (3)
22. 5 विकारों ने तुम बच्चों की बहुत...की है, बुरा हाल (3)
23. आदि-मध्य...का ज्ञान बुद्धि में रख सदा हर्षित रहना है (2)
24. छिद्र, छेद, कमजोरी (3)
26. संशय, संदेह (2)
27. ...स्थिति के लिए एक बाप से सर्व सम्बन्धों का रस लो (4)

-ब्र.कु. राजेश, शान्तिवन

हसनपुर-हरियाणा। 83वीं शिवजयंती के अवसर पर कलश यात्रा निकालते हुए ब्र.कु. इंदिरा, ब्र.कु. शैली, ब्र.कु. मीनाक्षी, ब्र.कु. शीला तथा अन्य।

हज़ारीबाग-झारखंड। शिवरात्रि के उपलक्ष्य में शिव संदेश हेतु चैतन्य झांकी सजाकर रैली का शिवध्वज लहराकर शुभारम्भ करते हुए ब्र.कु. हर्षा।

जमशेदपुर-झारखंड। टाटा स्टील कम्पनी के संस्थापक एवं विश्व विख्यात उद्योगपति जे.एन. टाटा के 180वें जन्म दिवस, जिसे संस्थापक दिवस के रूप में मनाया जाता है, इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से भी 'परमात्म संजीवनी रथ' विषय पर झाँकी के साथ रैली निकाली गई। इस अवसर पर उपस्थित टाटा समूह के चेयरमैन एन. चन्द्रशेखरन को फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत करते हुए ब्र.कु. अंजु।

झालावाड़-राजस्थान। शिवरात्रि के अवसर पर शिवध्वजारोहण करने के पश्चात् प्रतिज्ञा करते हुए सेन समाज के अध्यक्ष श्याम सेन, विश्व हिन्दु परिषद के उपाध्यक्ष महिपाल, वार्ड पार्षद यतन यादव, भाजपा अध्यक्ष श्यामसुन्दर शर्मा, पाटीदार समाज के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु प्रसाद पाटीदार, पी.आर.ओ. हेमन्त सिंह, ब्रह्माकुमारी बहनें तथा अन्य।

कोसली-हरियाणा। महाशिवरात्रि महोत्सव का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. टी.सी. राव, बीजेपी नेता लक्ष्मण सिंह यादव, ब्र.कु. उर्मिला,माउण्ट आबू, ब्र.कु. निर्मला तथा अन्य।

पटना सिटी-गाय घाट(बिहार)। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित प्रभात फेरी का शुभारंभ करने के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति में पटना सिटी चौक के सह थाना प्रभारी किशोर जी, उपसेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रानी, सह संचालिका ब्र.कु. आरोही तथा अन्य ब्र.कु. भाई बहनें।

ए.पी. कॉलोनी-पीपरपांती। शिवजयंती के अवसर पर झाँकी के साथ रैली निकालकर जन जन को शिव संदेश देते हुए ब्र.कु. भाई बहनें।

मोतिहारी-बिहार। 83वीं शिवजयंती पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए ब्र.कु. रानी, प्रो. ब्र.कु. राजनारायण, ब्र.कु. अनिल, ब्र.कु. मीना, ब्र.कु. अशोक वर्मा तथा अन्य।